www.BibleForChildren.org

पैदाइश 6

यह उस की ज़िंदगी का बयान है। नूह रास्तबाज़ था। उस ज़माने के लोगों में सिर्फ़ वही बेक़ुसूर था। वह अल्लाह के साथ साथ चलता था। जहाँ भी अल्लाह देखता दुनिया ख़राब थी, क्योंकि तमाम जानदारों ने ज़मीन पर अपनी रविश को बिगाड़ दिया था।

तब अल्लाह ने नूह से कहा, “मैंने तमाम जानदारों को ख़त्म करने का फ़ैसला किया है, क्योंकि उनके सबब से पूरी दुनिया ज़ुल्मो-तशद्दुद से भर गई है। चुनाँचे मैं उनको ज़मीन समेत तबाह कर दूँगा। अब अपने लिए सरो की लकड़ी की कश्ती बना ले। उसमें कमरे हों और उसे अंदर और बाहर तारकोल लगा।”

उस की लंबाई 450 फ़ुट, चौड़ाई 75 फ़ुट और ऊँचाई 45 फ़ुट हो।

“जो भी ख़ुराक दरकार है उसे अपने
और उनके लिए जमा करके कश्ती
में महफ़ूज़ कर लेना।”

हर क़िस्म के जानवर का एक नर और एक मादा भी अपने साथ कश्ती में ले जाना ताकि वह तेरे साथ जीते बचें।

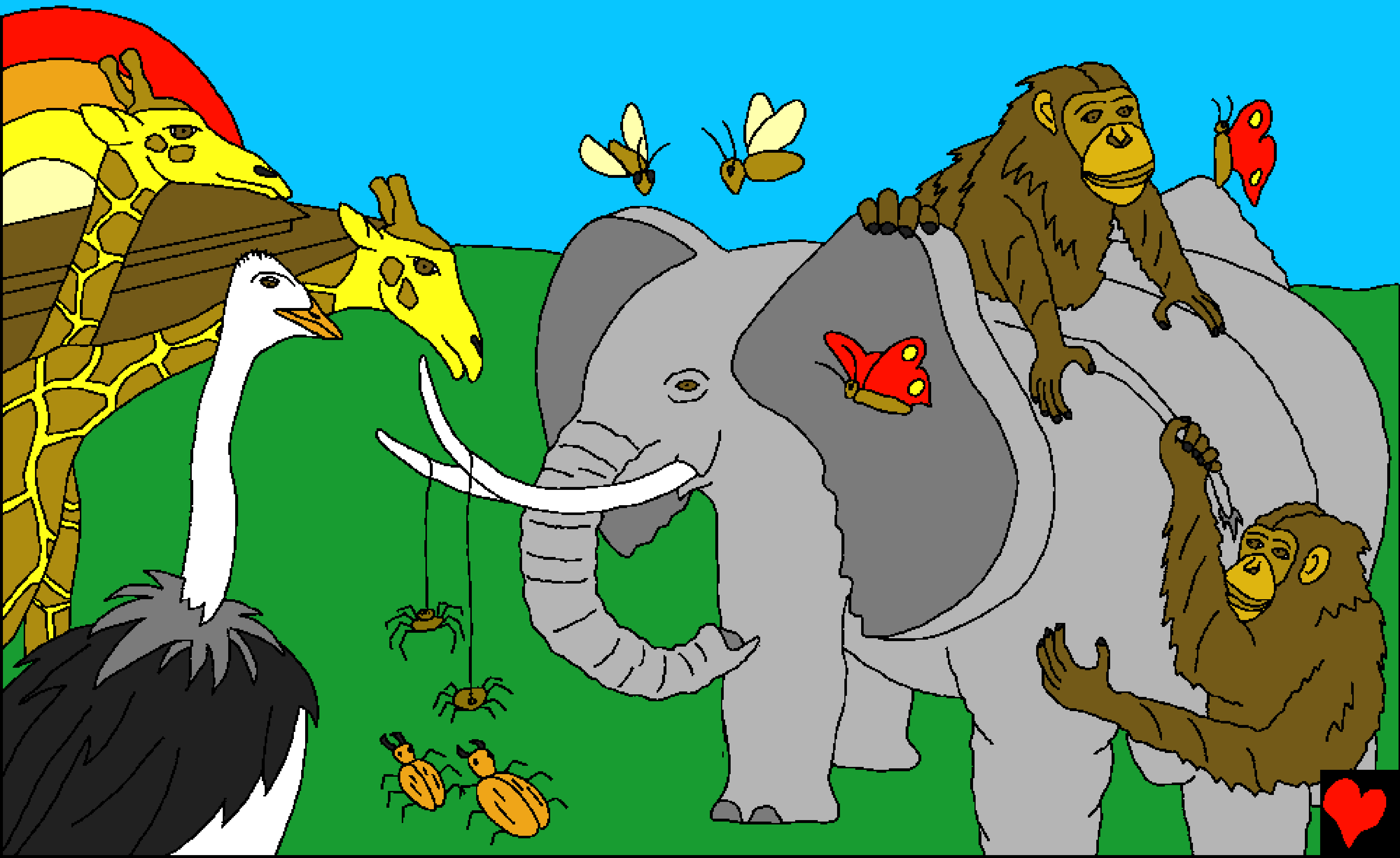

हर क़िस्म के पाक जानवरों में से सात सात नरो-मादा के जोड़े जबकि नापाक जानवरों में से नरो-मादा का सिर्फ़ एक एक जोड़ा साथ ले जाना।

तूफ़ानी सैलाब से बचने के लिए नूह अपने बेटों, अपनी बीवी और बहुओं के साथ कश्ती में सवार हुआ।

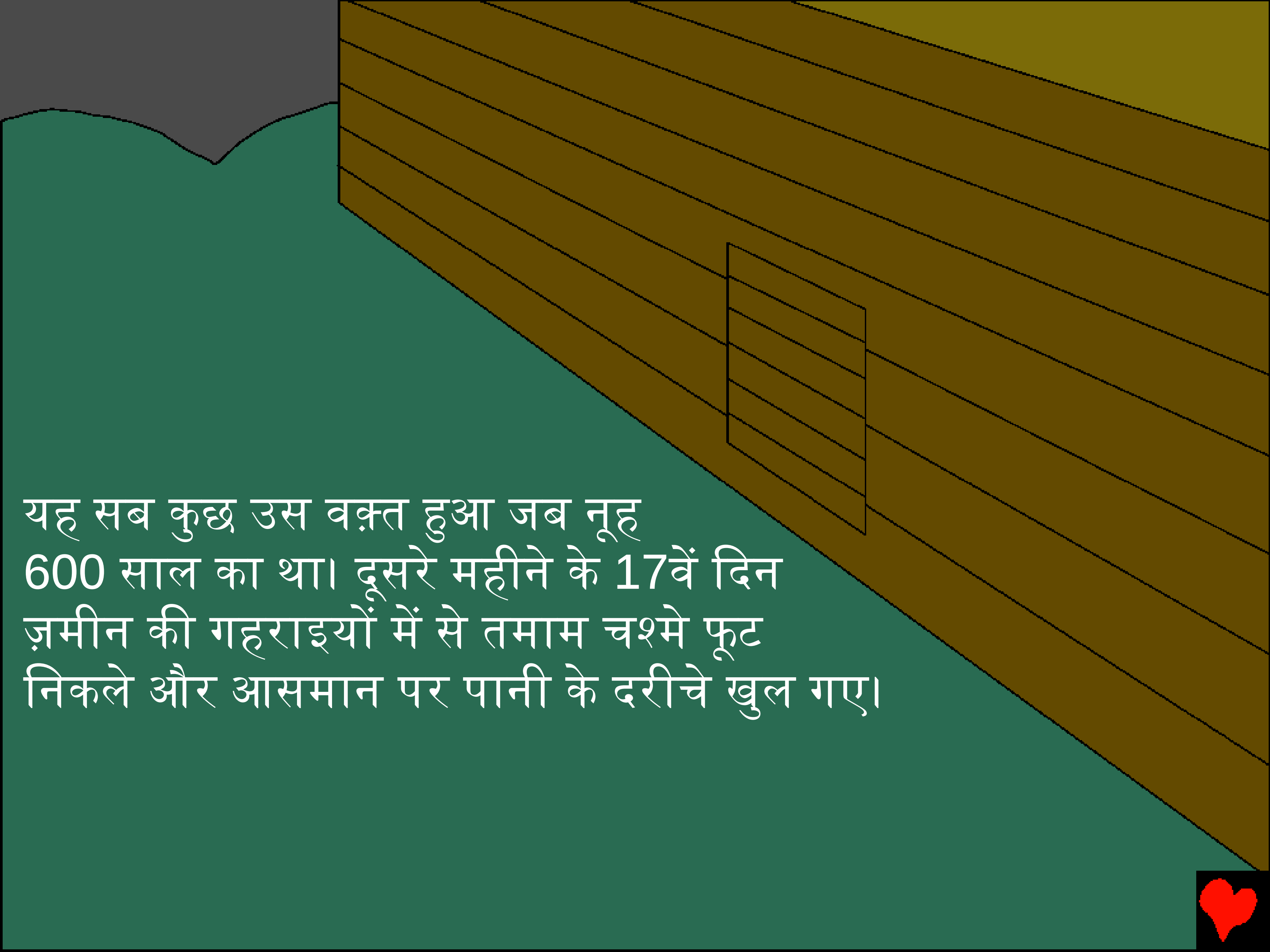
यह सब कुछ उस वक़्त हुआ जब नूह
600 साल का था। दूसरे महीने के 17वें दिन
ज़मीन की गहराइयों में से तमाम चश्मे फूट
निकले और आसमान पर पानी के दरीचे खुल गए।

चालीस दिन और चालीस रात तक मूसलाधार
बारिश होती रही।

पानी ज़ोर पकड़कर बहुत बढ़ गया, और
कश्ती उस पर तैरने लगी।

आख़िरकार पानी इतना ज़्यादा हो गया कि तमाम ऊँचे पहाड़ भी उसमें छुप गए, बल्कि सबसे ऊँची चोटी पर पानी की गहराई 20 फ़ुट थी। ज़मीन पर हर जानदार मख़लूक़ हलाक हुई।

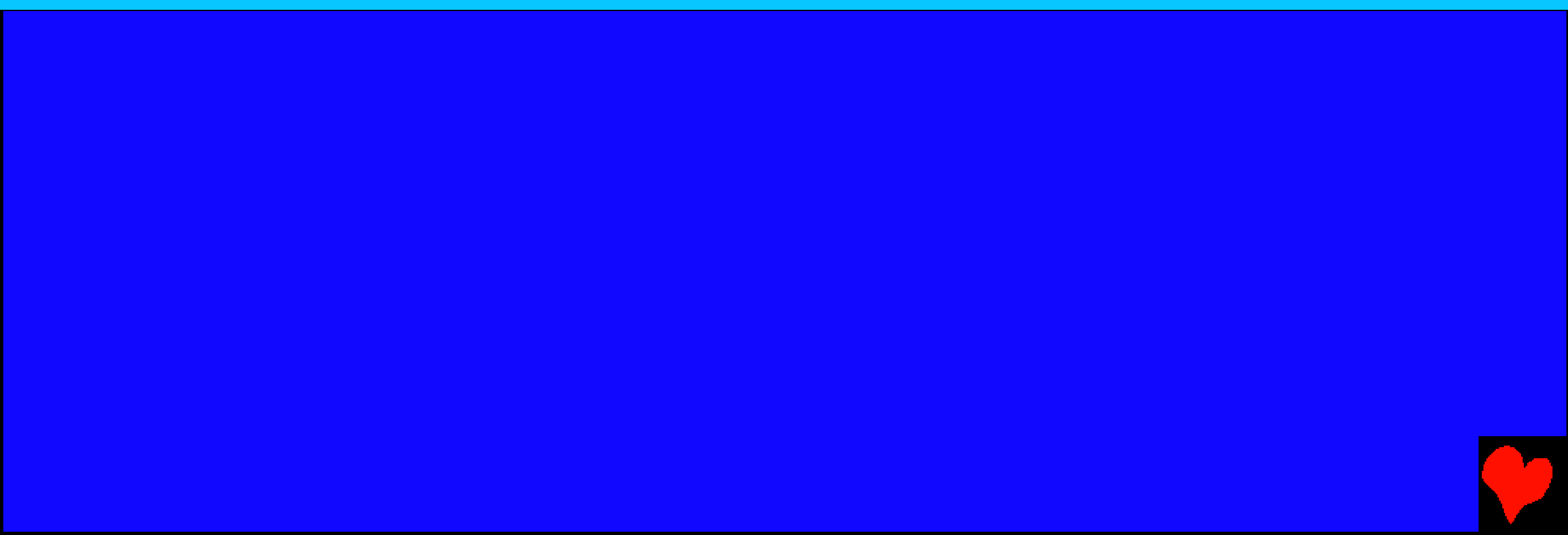

लेकिन अल्लाह को नूह और तमाम जानवर याद रहे जो कश्ती में थे। उसने हवा चला दी जिससे पानी कम होने लगा।

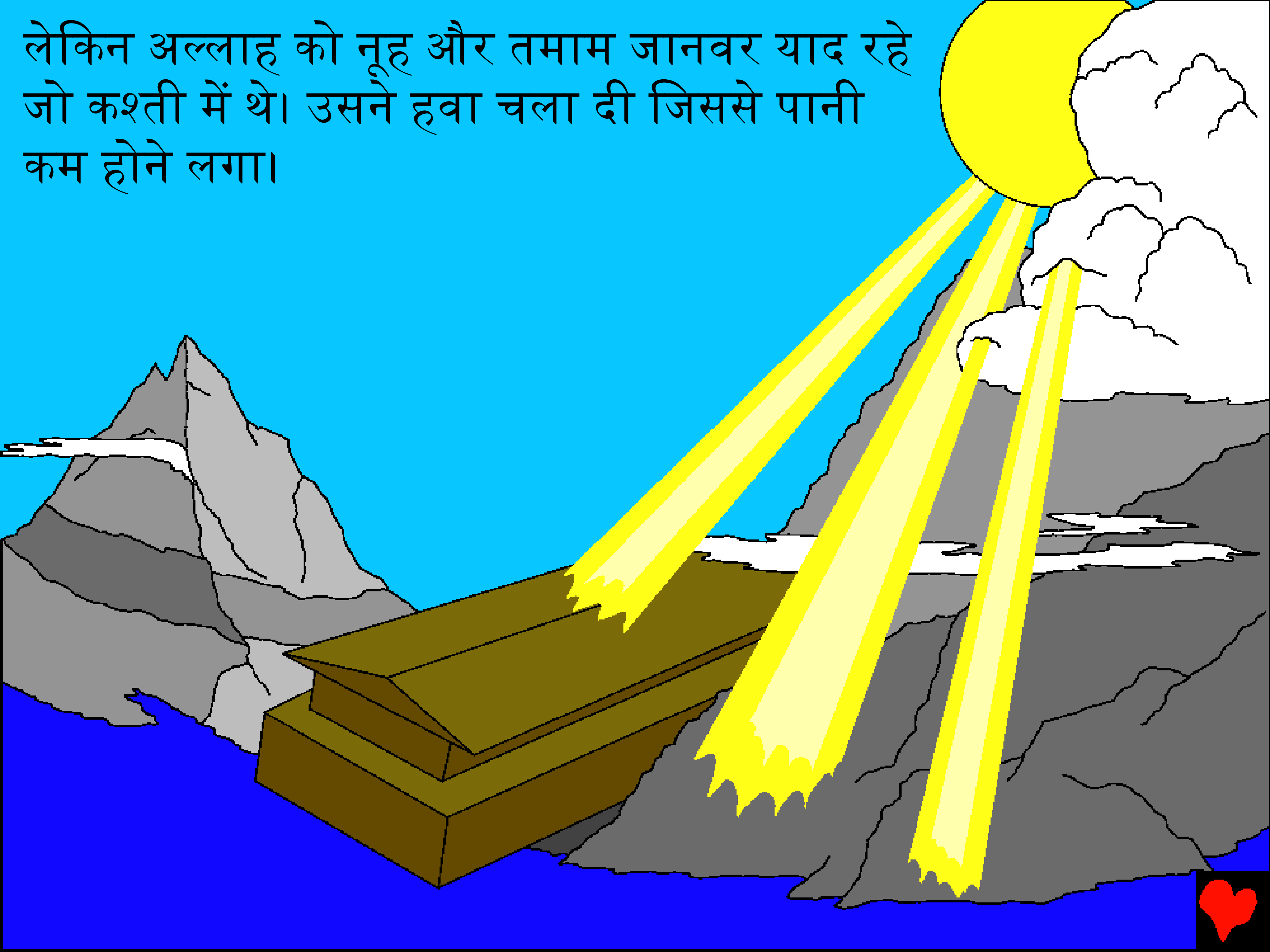

चालीस दिन के बाद नूह ने कश्ती की खिड़की खोलकर एक कौवा छोड़ दिया, और वह उड़कर चला गया। लेकिन जब तक ज़मीन पर पानी था वह आता जाता रहा। फिर नूह ने एक कबूतर छोड़ दिया ताकि पता चले कि ज़मीन पानी से निकल आई है या नहीं।

दूसरे महीने के 27वें दिन ज़मीन बिलकुल ख़ुश्क हो गई।फिर अल्लाह ने नूह से कहा, “अपनी बीवी, बेटों और बहुओं के साथ कश्ती से निकल आ।”

उस वक़्त नूह ने रब के लिए क़ुरबानगाह बनाई। उसने तमाम फिरने और उड़नेवाले पाक जानवरों में से कुछ चुनकर उन्हें ज़बह किया और क़ुरबानगाह पर पूरी तरह जला दिया।

इस अबदी अहद का निशान जो मैं तुम्हारे और तमाम जानदारों के साथ क़ायम कर रहा हूँ यह है कि मैं अपनी कमान बादलों में रखता हूँ। वह मेरे दुनिया के साथ अहद का निशान होगा।
जब कभी मेरे कहने पर आसमान पर बादल छा जाएंगे और क़ौसे-क़ुज़ह उनमें से नज़र आएगी तो मैं यह अहद याद करूँगा जो तुम्हारे और तमाम जानदारों के साथ किया गया है। अब कभी भी ऐसा सैलाब नहीं आएगा जो तमाम ज़िंदगी को हलाक कर दे।

फिर अल्लाह ने नूह और
उसके बेटों को बरकत देकर कहा,
“फलो-फूलो और तादाद में बढ़ते जाओ।
दुनिया तुमसे भर जाए। नूह के जो बेटे उसके
साथ कश्ती से निकले सिम, हाम और
याफ़त थे। हाम कनान का बाप था।
दुनिया-भर के तमाम लोग इन
तीनों की औलाद
हैं।”

क्योंकि अल्लाह ने दुनिया से इतनी मुहब्बत
रखी कि उसने अपने इकलौते फ़रज़ंद को बख़्श
दिया, ताकि जो भी उस पर ईमान लाए
हलाक न हो बल्कि अबदी
ज़िंदगी पाए।

रोमियों 3:23 सबने गुनाह किया, सब अल्लाह के उस जलाल से महरूम हैं जिसका वह तक़ाज़ा करता है,

रोमियों 6:23 क्योंकि गुनाह का अज्र मौत है जबकि अल्लाह हमारे ख़ुदावंद मसीह ईसा के वसीले से हमें अबदी ज़िंदगी की मुफ़्त नेमत अता करता है।

इबरानियों 9:27 एक बार मरना और अल्लाह की अदालत में हाज़िर होना हर इनसान के लिए मुक़र्रर है।

इफ़िसियों 2:8,9 क्योंकि यह उसका फ़ज़ल ही है कि आपको ईमान लाने पर नजात मिली है। यह आपकी तरफ़ से नहीं है बल्कि अल्लाह की बख़्शिश है। और यह नजात हमें अपने किसी काम के नतीजे में नहीं मिली, इसलिए कोई अपने आप पर फ़ख़र नहीं कर सकता।

रोमियों 10:9,10 यानी यह कि अगर तू अपने मुँह से इक़रार करे कि ईसा ख़ुदावंद है और दिल से ईमान लाए कि अल्लाह ने उसे मुरदों में से ज़िंदा कर दिया तो तुझे नजात मिलेगी। क्योंकि जब हम दिल से ईमान लाते हैं तो अल्लाह हमें रास्तबाज़ क़रार देता है, और जब हम अपने मुँह से इक़रार करते हैं तो हमें नजात मिलती है।

यूहन्ना 3:16,17 क्योंकि अल्लाह ने दुनिया से इतनी मुहब्बत रखी कि उसने अपने इकलौते फ़रज़ंद को बख़्श दिया, ताकि जो भी उस पर ईमान लाए हलाक न हो बल्कि अबदी ज़िंदगी पाए। क्योंकि अल्लाह ने अपने फ़रज़ंद को इसलिए दुनिया में नहीं भेजा कि वह दुनिया को मुजरिम ठहराए बल्कि इसलिए कि वह उसे नजात दे।

1 यूहन्ना 5:11-13 और गवाही यह है, अल्लाह ने हमें अबदी ज़िंदगी अता की है, और यह ज़िंदगी उसके फ़रज़ंद में है। जिसके पास फ़रज़ंद है उसके पास ज़िंदगी है, और जिसके पास अल्लाह का फ़रज़ंद नहीं है उसके पास ज़िंदगी भी नहीं है। मैं आपको जो अल्लाह के फ़रज़ंद के नाम पर ईमान रखते हैं इसलिए लिख रहा हूँ कि आप जान लें कि आपको अबदी ज़िंदगी हासिल है।

पैदाइश 6 – 10

Storyline by: Edward D. Hughes

Illustrated by: Byron Unger, Lazarus
and Alastair Paterson

Adapted by: M. Maillot; Tammy S.

Urdu Geo Hindi Bible (urd) © 2019 Urdu Geo Version. CC-BY-ND-NC

https://www.bible.com/bible/481/GEN.1.DGV

©2026 Bible for Children, Inc.
www.M1914.org www.bibleforchildren.org